शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,जोधपुर में हिन्दी सप्ताह - 2019 का आयोजन

हिंदी सप्ताह -2019 के समारंभ के अवसर पर मंचासीन पदाधिकारीगण

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान , जोधपुर में हिन्दी सप्ताह **(13 से 19 सितंबर , 2019)** का आयोजन हुआ। दिनांक 13/09/201 7 को हिन्दी सप्ताह -2019 का समारंभ हुआ। इस अवसर पर संस्थान के सहायक निदेशक (राजभाषा) श्री कैलाश चन्द गुप्ता ने माननीय गृह मंत्री ,भारत सरकार के देशवासियों के नाम संदेश को पढ़ा तथा राजभाषा विभाग के जारी परिपत्र के आलोक में हिन्दी दिवस/सप्ताह/पखवाड़ा/माह को 'राजभाषा उत्सव' के तौर पर मनाये जाने की जानकारी दी। राजभाषा विभाग के जारी दिशा-निर्देशों के आलोक में हिंदी दिवस मनाए जाने के प्रयोजन पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि इस अवसर पर कार्यालय में अधिकाधिक मूल टिप्पण एवं आलेखन होना चाहिए तथा विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के माध्यम से सरल हिंदी के प्रयोग को सरकारी कामकाज में प्रयोग में लाने का प्रयास होना चाहिए। सप्ताह के दौरान होने वाली हिंदी प्रतियोगिताओं की जानकारी दी गयी। इस अवसर पर एनटीपीसी, रिहंद से साभार ली गयी राजभाषा हिंदी में हो रहे कार्यों पर बनी एक लघु फिल्म को दिखाया गया।

हिन्दी दिवस पर माननीय गृह मंत्री,भारत सरकार के संदेश को पढ़ते हुए संस्थान के सहा. नि. (रा.भा.)

संस्थान में हिंदी सप्ताह का समारंभ हिंदी राजभाषा पर विचार अभिव्यक्ति कार्यक्रम से हुआ जिसमें सर्वप्रथम श्रीमती संगीता त्रिपाठी , मुख्य तकनीकी अधिकारी ने हिंदी भाषा के उद्भव व विकास के साथ कार्यालयी हिंदी किस प्रकार साहित्यिक हिंदी से भिन्न है को सारगर्भित करता हुआ पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण दिया।

हिंदी सप्ताह समारंभ पर अपना प्रस्तुतीकरण देती हुईं श्रीमती संगीता त्रिपाठी

कार्यक्रम में डॉ.उत्तर कुमार तोमर , वैज्ञानिक -एफ ने बताया चूंकि भाषा सिर्फ एक माध्यम है अतः विज्ञान के क्षेत्र में अपनी भाषा में बहुत आगे तक बढ़ा जा सकता है जैसा कि जापान, चीन आदि देश अपनी मातृभाषा में हर क्षेत्र में प्रगति कर रहे हैं तथा भाषा उनके लिए किसी भी प्रकार से कोई रुकावट नहीं रही है।

साथ ही उन्होंने अनुसंधान के क्षेत्र में हिंदी का प्रयोग अधिकाधिक हो यह शुभेच्छा व्यक्त की। डॉ. महेश्वर टी. हेगड़े ,वैज्ञानिक - एफ ने हिंदी पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिंदी भाषा को समग्र देश में बोलने ,लिखने व समझने वाले लोग सबसे ज्यादा हैं इसलिए यह एक संपर्क भाषा की भूमिका में है। श्री हेगड़े ने हिंदी भाषा को सरल बताते हुए इसके अधिकाधिक प्रयोग पर ज़ोर दिया। श्री अनिल शर्मा, तकनीकी अधिकारी ने बताया कि आजकल हिन्दी टंकण के कई सोफ्टवेयर उपलब्ध हैं जिससे हर अधिकारी/कर्मचारी का हिन्दी में कार्य करना आसान हो गया है साथ ही उन्होने हिंदी को अपने दैनिक व्यवहार से लेकर सरकारी कामकाज में पूर्णत: अपनाए जाने पर बल दिया। श्री सवाई सिंह राजपुरोहित, एमटीएस ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि आम बोलचाल में हिंदी में बोलते हुए हम अधिकांश अंग्रेजी के शब्दों का प्रयोग करते हैं जिससे भाषा हिंगलिश बन जाती है। जबकि उन अंग्रेजी शब्दों के हिंदी पर्याय भी सरल हैं हमें अपनी भाषा के साथ आत्मीयता रखनी चाहिए जिससे उसका सच्चे अर्थों में विकास हो सकेगा।

समारंभ समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. जी.सिंह

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जी .सिंह ने अपने सम्बोधन में हिंदी पर अभिव्यक्त किए गए विचारों को सराहा तथा एक अच्छी पहल बताया। हम सभी को समझ में आने वाली हिंदी का प्रयोग अपने कामकाज में करना चाहिए ताकि लोगों का जुड़ाव हिन्दी के प्रति बढ़े।

समारंभ समारोह में अपने विचार व्यक्त करती हुईं डॉ. सरिता आर्य

डॉ सरिता आर्य,वैज्ञानिक- जी ने कहा कि हमारे संविधान में हिन्दी को सम्पूर्ण देश की संपर्क भाषा के तौर पर राजभाषा का दर्जा दिया गया है। संवैधानिक प्रावधान की अनुपालना करना हमारा दायित्व है। हिंदी सरल तो है ही साथ ही इसे लिखने में विचारों की अभिव्यक्ति सहजता से हो जाती है।

समारंभ समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. इन्द्र देव आर्य

डॉ. इन्द्रदेव आर्य, समूह समन्वयक(शोध) ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के इस अवसर पर हिंदी पर सभी वक्ताओं ने महत्वपूर्ण जानकारी दी है जैसा कि हिंदी भाषा के उद्भव से लेकर आज तक की विकास यात्रा का जिक्र हुआ है। वास्तव में हिंदी भाषा का इतिहास कालक्रम में अपनी एक अलग पहचान

रखता है। आज सरकारी कामकाज काफी हिंदी में हो रहा है तथा यह निरंतर बढ़ता ही रहे इस दिशा हम सभी का योगदान अपेक्षित है।

हिंदी सप्ताह-2019 के दौरान हिंदी टिप्पण आलेखन, हिंदी प्रश्नोत्तरी, हिंदी टंकण (सामान्य) एवं सारांश , हिंदी राजभाषा बोध , हिंदी वर्ग पहेली प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं जिनमें संस्थान के कर्मियों ने बढ़ -चढ़ कर भाग लिया।

हिंदी सप्ताह के दौरान हिन्दी टिप्पण -आलेखन प्रतियोगिता का दृश्य

दिनांक 16/09/2019 हिन्दी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें कर्मियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता रोचक व ज्ञानवर्धक रही। प्रतियोगिता के दौरान संस्थान निदेशक श्री माना राम बालोच,भा.व.से. भी उपस्थित रहे तथा उन्होंने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए अपने सुझाव भी दिये।

हिंदी सप्ताह के दौरान हिन्दी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में उपस्थित संस्थान निदेशक

दिनांक 16/09/2019 को संस्थान में हाल ही में नवनियुक्त हुए कर्मचारियों की हिंदी कार्यशाला आयोजित हुई जिसमें संस्थान के सहायक निदेशक(राजभाषा) ने उन्हें हिंदी की संवैधानिक स्थिति व राजभाषा नियमों के संबंध में जानकारी दी। साथ ही कार्यालयी नेमी शब्दों का भी अभ्यास कराया गया।

हिन्दी कार्यशाला

हिन्दी सप्ताह-2019 का समापन समारोह दिनांक 19/09/2019 को आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. गोपाल कृष्ण लोहरा , चिकित्सक, आफरी डिस्पेन्सरी रहे।

मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ से स्वागत करते हुए संस्थान निदेशक श्री माना राम बालोच

हिंदी सप्ताह समापन समारोह अवसर पर स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लेकर विविध विषयों पर रचित अपनी- अपनी कविताओं का पाठ किया।

संस्थान के सहा॰ निदेशक(राजभाषा) ने हिंदी सप्ताह के दौरान आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं/कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए वर्ष 2018-19 की संस्थान की हिंदी राजभाषा प्रगति का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा अवगत कराया कि संस्थान को वर्ष 2017-18 का भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद का 'क' क्षेत्र हेतु हिंदी में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु 'राजभाषा पुरस्कार' व प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए हैं।इस उपलब्धि के लिए सभी को बधाई देते हुए राजभाषा प्रयोग को अधिकाधिक बढ़ावा दिये जाने का सहयोग चाहा गया।

हिंदी की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए सहा.निदेशक(राजभाषा)

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जी. सिंह ने बताया कि प्रतिभागियों की कविताओं में एक अलग ही मौलिकता देखने को मिली है इनके काव्य सृजन की प्रतिभा प्रशंसनीय है। दैनिक क्रिया- कलापों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने का आपने आह्वान किया।

समापन समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.जी. सिंह

संस्थान के निदेशक श्री माना राम बालोच , भा.व.से. ने अपने उद्‌बोधन में सभी प्रतिभागियों तथा कविता-पाठ करने वाले कार्मिकों को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। आपने सभी स्वरचित रचनाओं की प्रशंसा करते हुए निरंतर सृजनात्मकता में निखार लाने हेतु प्रेरित किया। संस्थान में हो रहे कामकाज में हिंदी की स्थिति को सराहते हुए आपने मूल रूप से पत्राचार हिंदी में किए जाने का आह्वान किया। आपने कहा कि हमारे देश में बहुत सी भाषाएँ/बोलियाँ हैं परंतु हिंदी भाषा को जानने वालों की संख्या सर्वाधिक है। अतः संपर्क भाषा के रूप में हिंदी को सरकार की कामकाज की भाषा के रूप में चुना गया है अतः हमें राजभाषा के प्रति अपने दायित्व निर्वहन में समर्पित होना चाहिए।

समापन समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए संस्थान निदेशक

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ.गोपाल कृष्ण लोहरा ने अपने अतिथि सम्बोधन में इस समारोह में उपस्थित रहने की प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आज अपनी भाषा के इस समारोह में लोगो द्वारा कविता -पाठ के माध्यम से अच्छी विचार अभिव्यक्ति सुनने को मिली है। हिंदी भाषा को आसान तथा आम बोलचाल की भाषा बताते हुए कहा कि वर्तमान में इसका प्रयोग हर क्षेत्र में देखने को मिल रहा है तथा हिंदी भाषा में काम कर हम लोगों से बेहतर संवाद कायम कर सकते हैं।

समापन समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ॰ लोहरा ने हिन्दी सप्ताह के दौरान हुई हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण -पत्र प्रदान किए गए।

मुख्य अतिथि डॉ. लोहरा को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए संस्थान निदेशक

समारोह के अंत में क॰ अनुवादक, श्री अजय वशिष्ठ ने सभी का आभार व्यक्त किया।

हिन्दी सप्ताह - 2019 की कुछ झलकियां

हिन्दी सप्ताह
13-19 सितम्बर, 2019
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

हिन्दी सप्ताह
13-19 सितम्बर, 2019
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार
हिन्दी हैं हम

हिन्दी सप्ताह

हिन्दी सप्ताह
13-19 सितम्बर, 2019
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार

PC-05
HCL

HCL

हिन्दी सप्ताह
13-19 सितम्बर, 2019
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्)
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार

हिन्दी सप्ताह
13-19 सितम्बर, 2019
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्)

हिन्दी सप्ताह
13-19 सितम्बर, 2019
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्)

हिन्दी सप्ताह
13-19 सितम्बर, 2019
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्)

हिन्दी सप्ताह
13-19 सितम्बर, 2019
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्)

हिन्दी सप्ताह
13-19 सितम्बर, 2019
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

हिन्दी सप्ताह
13-19 सितम्बर, 2019

हिन्दी सप्ताह

हिन्दी सप्ताह

हिन्दी सप्ताह

हिन्दी सप्ताह
भारत सरकार

हिन्दी सप्ताह
भारत सरकार

हिन्दी सप्ताह
एवं शिक्षा परिषद्)
भारत सरकार

हिन्दी सप्ताह
सितम्बर, 2019
संस्थान, जोधपुर
एवं शिक्षा परिषद्)
मंत्रालय, भारत सरकार

हिन्दी सप्ताह
सितम्बर, 2019
संस्थान, जोधपुर
एवं शिक्षा परिषद्)
मंत्रालय, भारत सरकार

हिन्दी सप्ताह
19 सितम्बर, 2019
संस्थान, जोधपुर
मंत्रालय, भारत सरकार

हिन्दी सप्ताह
सितम्बर, 2019
संस्थान, जोधपुर
एवं शिक्षा परिषद्)
मंत्रालय, भारत सरकार

हिन्दी सप्ताह
2019
संस्थान, जोधपुर
शिक्षा परिषद्)

हिन्दी सप्ताह
सितम्बर, 2019
संधान संस्थान, जोधपुर
वर्तन मंत्रालय, भारत सरकार

हिन्दी सप्ताह
सितम्बर, 2019
संधान संस्थान, जोधपुर
परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार

हिन्दी सप्ताह
13-19 सितम्बर, 2019
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन
भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद

हिन्दी सप्ताह
13-19 सितम्बर, 2019
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्)

के लिए 30 सितंबर से ई-आवेदन शुरू होगा, जो 4 अक्टूबर तक चलेगा।

आफरी में हिंदी सप्ताह का समापन, प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया पुरस्कृत

नवज्योति/जोधपुर।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान में गुरुवार को हिंदी सप्ताह का समापन हुआ। मुख्य अतिथि डॉ.जीके खोहरा ने सभी से हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने का आव्हान किया। आफरी निदेशक एमआर बालोच ने वैज्ञानिक शोध परिणामों को हिंदी में प्रकाशित करने तथा उनके प्रचार प्रसार की महत्ता बताई। आफरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जी. सिंह ने हिन्दी को बढ़ावा देने की वकालत की। कार्यक्रम के आरंभ में सहायक निदेशक राजभाषा कैलाश चन्द गुप्ता ने राजभाषा की प्रगति एवं वर्षभर में कार्ययोजना के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम का संचालन अजय वशिष्ठ ने किया। कार्यक्रम में हिंदी सप्ताह के दौरान हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

हिंदी सप्ताह प्रतियोगिताओं के परिणाम:

आफरी को मिला पुरस्कार

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् देहरादून की ओर से विभिन्न संस्थानों में हिंदी के कार्य का मूल्यांकन करने के बाद शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) को 2017-18 के लिए प्रथम पुरस्कार दिया गया।

हिन्दी सप्ताह के दौरान 13 सितंबर को हिंदी टिप्पण एवं आलेखन में नरेन्द्र शारदा प्रथम, देवेन्द्र सिसोदिया द्वितीय एवं लक्ष्मण राठौड़ तृतीय रहे। हिंदी प्रश्नोत्तरी में प्रेम प्रकाश प्रथम, सवाई सिंह राजपुरोहित द्वितीय एवं अनिल शर्मा तृतीय रहे। हिंदी टंकण (सामान्य) में नरेन्द्र शारदा प्रथम, विजेश कुमार द्वितीय एवं देवेन्द्र सिसोदिया तृतीय रहे। हिंदी टंकण (सारांश यूनिकोड) में अजय वशिष्ठ ने प्रथम, राजेश मीणा ने द्वितीय, शिवदान सिंह ने तृतीय स्थान हासिल किया। हिंदी राजभाषा बोध में प्रेम प्रकाश प्रथम, कैलाश चौधरी द्वितीय एवं जीतेश मीणा तृतीय रहे। हिंदी वर्ग पहेली में ज्योति चौबे प्रथम, अशोक राठौड़ द्वितीय एवं जीतेश मीणा तृतीय तथा स्वरचित कविता पाठप्रतियोगिता में डॉ. तरुण कांत प्रथम, सवाई सिंह राजपुरोहित द्वितीय एवं अनिल शर्मा तृतीय स्थान पर रहे।

तुतलाती आवाज में बच्चों ने सुनाई कहानियां पैट शो में पालतु जानवरों के साथ अठखेलियां

नवज्योति/जोधपुर।

लक्की बाल निकेतन सी. सै. स्कूल, कमला नेहरू नगर, जोधपुर में प्री-प्राइमरी विंग में कहानी वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए हिंदी व अंग्रेजी में कहानियाँ

लक्की बाल निकेतन सी. सै. स्कूल, कमला नेहरू नगर

सुनाई। बच्चों के हाव-भाव व अभिनय देखकर श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका अभिभावकों द्वारा

ने सभी विद्यार्थियों के प्रयास की प्रशंसा करते हुए विजेताओं को बधाई दी। प्री-प्राइमरी विंग में 'पैट शो' का आयोजन किया गया। जिसमें नर्सरी, के.जी., ग्रेग व प्ले-ग्रुप के बच्चों ने भाग लिया। नन्हें-मुन्ने बच्चों ने विभिन्न प्रकार के श्वान, बिल्ली, मछलियां, खरगोश, भाँति-भाँति के पंछी देखे। बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था। श्वान ने विभिन्न प्रकार के करतब दिखाए। बच्चों ने उत्साह के साथ शो का आनन्द उठाया। नन्हें-मुन्ने बच्चे पालतू पशुओं को छू कर बहुत खुश हुए। बच्चों के बाल मन का कौतूहल देखते ही बनता था। प्राचार्य कल्याण सिंह राठौड़